History, Degree-Part-2, Paper-3, Unit-5
Topic-Sufism P-1
Dr. Md. Shakil Akhtar. Lect-2

Mansa
Date ____ Page ____

6. शुहूदिया अर्थात जो अलाउद्दीन सिमनानी के वहदत-उल-शुहूद (प्रकट एकता) के सिद्धांत में विश्वास करते थे।

भारत में लोकप्रिय मुख्य सम्प्रदाय :-

1. चिश्ती सिलसिला – यह भारत में संगठित होने वाला सबसे पुराना सूफी सिलसिला है। इसे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने अजमेर में स्थापित किया। उनके मुख्य अनुयायी बख्तियार काकी जो इल्तुतमिश के समकालीन थे। उनके शिष्य बाबा फरीद, पंजाब में बसे। उनके शिष्य निजामुद्दीन औलिया।

चिश्ती संत अत्यंत उदार थे। वे मानव सेवा को प्रधानता दी और धर्म, जाति, जन्म के भेद-भाव को नकारते हुए मानव समाज को एक माना। संतों ने समा (भक्ति संगीत सभा) के द्वारा संगीत को विशेष महत्व दिया। चिश्ती संत शासक वर्ग से कोई संबंध नहीं रखते थे। वे शासक वर्ग से कोई संरक्षण और प्रश्रय प्राप्त करने का प्रयास नहीं किया। ने धन और विलास जीवन के विरोधी थे। उनकी लोकप्रियता उदार दृष्टिकोण, त्याग और सेवा से हुई। इन्हीं कारणों से अकबर इनके प्रति विशेष श्रद्धा रखता था और फतहपुर सिकरी के संत शेख सलीम चिश्ती से श्रद्धापूर्ण संबंध था।

2. सुहरावर्दी सिलसिला – भारत में इसे संगठित करने का श्रेय हजरत बहाउद्दीन जकरिया को जाता

Scanned with CamScanner

जाता है। इसी परंपरा की एक शाखा फिरदौसी सिलसिला पूर्वी भारत विशेषकर बिहार में विकसित और लोकप्रिय हुई।

इस परंपरा के संत शासक वर्ग के सम्पर्क में रहते थे और उनसे प्रश्रय भी प्राप्त करते थे। इनका प्रभाव पश्चिम भारत सिंध और मुल्तान में केंद्रित रहा।

3. कादिरी सिलसिला - भारत में संगठित करने के श्रेय शाह नेमतुल्लाह को जाता है। इन में रूढ़ि और उदार दोनों ही प्रवृत्ति देखी जाती है।

4. शत्तारी सिलसिला - भारत में संगठित करने का श्रेय शाह अब्दुल्लाह शत्तारी को जाता है वो हिंदु और इस्लाम धर्म में समन्वय के समर्थक थे। उनका संबंध योगीयों और भक्ति संतों से रहा। उनका प्रभाव क्षेत्र जौनपुर, बंगाल और मालवा क्षेत्र में रहा। ग्वालियर के संत हजरत मोहम्मद गौस सर्वश्रेष्ठ संत थे। उनकी रचना 'जवाहर खमसा' में इस्लाम और हिंदू विचारों का सम्मिश्रण प्रस्तुत किया। संगीत के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया प्रसिद्ध संगीतज्ञ तानसेन उनका शिष्य था।

5. नक्शबंदी सिलसिला - संस्थापक बाकी बिल्लाह थे। इस परंपरा के संत कट्टरपंथी इस्लाम के प्रबल समर्थक थे। इसके संत शेख अहमद सरहिंदी अकबर के सहिष्णुतात्मक धार्मिक नीति का विरोध किया।